वैदिक ज्योतिष संस्थान(रजी)

विश्वकुंज को.हाँ.सो, १२१ /डी ४४, आर.ए.सी. १७,चारकोप, सेक्टर १, कांदीवली (प),
मुंबई. ४०००६७. Email: vjtvv1@gmail.com 9322261709 / 7045470661

सवंत २०७८ मकर संक्रांति का फलकथन

विक्रम सवंत २०७८ प्रमादी नाम संवत्सर तथा शालिवाहन शक १९४३ में प्लव नाम संवत्सर , उत्तरायण, शिशिर ऋतु पौष मास शुकल पक्ष द्वादस तिथ्ये, शुक्रवासरे, उत्तरा षाढा महा नक्षत्रे तथा चन्द्र नक्षत्र रोहीणी, ब्रह्म योगे, बालव करणे एवं वृषभ राशिस्थ चंद्रे निरयन सूर्यनारायण दिनांक १४/०१/२०२२, शुक्रवासरे १४:३० मिनट पर मकर राशिमें प्रवेश कर रहे है, संक्रंतिका पुण्यकाल दिनांक १४/०१/२०२२ के १४:३० मिनट से साम १८:१९:०० तक का रहेंगा, बालव करण में संक्राति प्रवेश होनेके कारण संक्रंति का चित्र तथा वाहनादि इस प्रकार रहेगा.

संक्रांति उत्तर दिशा से वाघ वाहन तथा अश्व के उप वाहन द्वारा दक्षीण दिशा की तरफ गमन कर रही है, संक्रांति का मुख पूर्व दिशा की और तथा दृष्टि नैऋत्य कोण की तरफ है.

(संक्रांति के नक्षत्र से पूर्व नक्षत्र से अपने जन्म नक्षत्र तक गिने अगर पहले ३ में आए तो गमन, ९ में आए तो सुख, १२ में आए तो पीडा, १८ में आए तो वस्त्रों की प्राप्ती, २१ में आए तो धन हानि तथा २७ में आए तो धन प्राप्ती का फल मिलता है.)

संक्रांतिने धारण की हुई वस्तुओं तथा वार के द्वारा गमन आगमन की तालिका.

वाहन	वाघ	उपवाहन	अश्व
वस्त्र	पीत	तिलक	केशर
जाति	सर्प	पुष्प	जूई
वय	कुमारी	भक्षण	दूधपाक
आभुषण	मोती	भोजपात्र	चांदी
चोली	पर्ण	स्थिति	बैठी हुयी
आयुध	गदा	वारनाम	मिश्रा
नक्षत्रनाम	नंदा	सुखी	पशु
आगमन	उत्तर	गमन	ध्क्षीण
मुख	पूर्व	दृष्टि	न्रैऋत्य
सामुदाय मुहुर्त		४५ साम्यार्ध	

संक्रांति पर करने के कार्यः-संक्रांति पुण्यकाल समय में तिल मिश्रित जल से स्नान, तिल का अभ्यंग लगाए, तिल का होम-हवन करें, तिल मिक्षित जल का पान करें, खाने में तिल का प्रयोग करें, तिलमिश्रीत जल द्वारा शिवजी के लिगं पर अभिषेक के साथ पुजन करें, पितृों को तथा अपने से बडोको प्रसन्न करें, सूर्यनारायण की उपासना तथा दूग्ध मिश्रित जल द्वारा अर्ध्य देवें, यथा शक्ति मंत्रों तथा स्तोत्रों का पठन करें, भोजन में तील के व्यंजन का प्रयोग करें उपरोक्त कार्यो से हर प्रकार के दू:खों का नाश होता है।

संक्रांति पर करने योग्य दानः- संक्रांति के पुण्यकाल के दौरान तिल के लड्डु में अपनी अवस्था के अनुसार सोना, चांदी या सिक्के छुपा कर गुप्त दान किया जाता है, ब्राह्मणों को, संतो को, साधु को या दीन दू:खियों को वस्त्र दान, अन्न दान, कपडा दान, कम्बल, बर्तन, गौमाता को चारा, तथा शक्ति अनुसार सोना, चांदी, भूमी, गौ, वस्त्र आदि का दान करना चाहिये.

संक्रांति का फलः- इस बार संक्रांति का आगमन उत्तर दिशा से तथा गमन दक्षीण दिशा की और होने के कारण भारत के उत्तर प्रांत में पूवार्ध अशांती का वातावरण रहेगा तथा दक्षीण प्रांतोमें सारा वर्ष अशांती बनी रहेगी, मुख पूर्व तथा दृष्टि नैऋत्यमें होने के कारण देश एवं दुनिया के इन प्रदेशों में कुदरती तथा मानव सर्जीत आफतों की संभावना रहेंगी, वाघ तथा अश्व वर्ग में आने वाले पशु वर्ग को त्रास रहेंगा, साथ साथ प्रीमयम एवं लक्जुरीयस वाहनो तथा महंगे ट्रीचक्री बाईक महंगे होगे, पीले कपडे वस्त्र, पीले रंग, पीली वस्तुए महंगी होगी, भक्षण दूधपाक होने के कारण सभी प्रकार के दूधके व्यंजन मंहगे होगें, दिन भर बैठकर कार्य करने वालो को शारीरिक पीडा का अनुभव होगा, आभुषण मोती होने के कारण मोती द्वार बनतने वाले आभुषण महंगे होगें, भोज पात्र चांदी का होने के कारण यह धातु तथा इसके द्वारा बने आभुषण तथा वस्तु ए महंगी होंगी, तिलक केशर का होने के कारण केशर तथा उससे बनने वाले इत्र परफ्युम तथा दवाईया महेंगी होंगी, वय कुमारी होने के कारण कुमारी यो को सर्तक रहना पडे,चोली पर्ण होने के कारण स्त्रीयो के वस्त्र परिधान में तथा फेशन डीझाईनींग के कारोबार मे बडे फेरफार की संभावना ए दीखे, सामुदाई महूर्त ४५ साम्यार्ध होने के कारण महंगाई में कमी रहेगीं,आयुध गदा होने के कारण इस साल तमाम प्रकार के अशस्त्रो शस्त्रो का प्रयोग होवे शस्त्र महंगे होगें, इस साल पशु सुखी दिखाई देंगे, इस वर्ष संक्रातिकी जाती सर्प होने के कारण सर्प संबधीत धटनाए तथा संशोधन में रुकावट होवे, इस शाल राजा शनि होनेके कारण नेता ए आपस में टकराव करते रहेगें, जगत में युद्ध के साये मंडराते रहे, सरहद पर तनाव रहे, बारीस अच्छी रहे,अज्ञात रोग का कहर यथावत रहे,आनेवाले सीतम्बर तक विपक्ष के द्वारा आरोप प्रत्यारोप कायम रहे, देश दुनीयां में भारत का नाम होवे, शेयर बाजार मे स्थीरता दीखे, मनीलोन्डरींग के और कई मामले और बहार आयेगें, प्रर्वतन निदेशालय इडी के द्वारा और भी धन शोधन स्केम (गफले) करने वाले काला बाजारियो पर कडी कार्यवाही के संकेत मिल रहैं,

वैदिक ज्योतिष संस्थानः ज्योतिष सीखें स्वयं का एवं लोगों का भी कल्याण करें.